MEC

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि
(MEC)

सत्रीय कार्य 2023–2024
द्वितीय वर्ष
उन छात्रों के लिये जिन्होंने जनवरी 2023 या उससे पहले प्रवेश लिया था।

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

'सत्रीय कार्य 2023–2024

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30: है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40: अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रथम वर्ष में पाँच अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपन` बनाई है।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1) 30 अप्रैल 2024 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो जून 2024 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।
2) 31 अक्टूबर 2024 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो दिसम्बर 2024 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

एम.ई.सी.-006: लोक अर्थशास्त्र

(शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य)

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने जनवरी 2022 या इससे पूर्व के सत्र में प्रवेश लिया था।)

पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी.-006
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी-006/टीएमए/2023-24
कुल अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
भाग क में प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए)।
भाग ख में प्रत्येक प्रश्न के 12 अंक हैं (प्रत्येक के उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए)।

भाग क

1) अ) बाह्यताओं को परिभाषित कीजिए। बाह्यताओं के प्रकारों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

   ब) अदक्षता दोनों नकारात्मक बाह्यताओं के साथ-साथ सकारात्मक बाह्यताओं से कैसे संबंधित है? उपयुक्त रेखाचित्रों की सहायता से समझाइए। (8+12=20)

2) अ) आंशिक क्षेम सुधार से आप क्या समझते हैं? चर्चा कीजिए।

   ब) रामसे कर मॉडल की विस्तार से व्याख्या कीजिए। (8+12=20)

भाग ख

3) स्थानीय सार्वजनिक(लोक) वस्तुओं के प्रावधान के संदर्भ में पैरों से मतदान किस प्रकार प्रासंगिक है? चर्चा कीजिए।

4) बुकानन के संविदात्मक सिद्धांत और कोल्म के 'उदार सामाजिक अनुबंध' के सिद्धांत के बीच अंतर पर प्रकाश डालिए।

5) मतदान प्रतिमान लोक विकल्प के संदर्भ में व्यक्तिगत वरीयताओं का अनुवाद करने का प्रयास करते हैं।

   समझाएं कि इस संदर्भ में बहुमत मतदान कैसे काम करता है?

6) नीतिगत कार्यसूची समायोजन, सूचना कार्यसूची समायोजन और नीति अभिसरण के संदर्भ में निर्णय तंत्र पर चर्चा कीजिए।

7) अर्थव्यवस्था पर आंतरिक सार्वजनिक (लोक) ऋण के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

8) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (3X4 = 12)

   (i) एरॉ का असंभाव्यता सिद्धांत
   (ii) लाफेर वक्र
   (iii) नि:शुल्क सवारी की समस्या

एम.ई.सी.-106: लोक अर्थशास्त्र

(शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी.-106
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी106/टीएमए/2023-24
कुल अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

भाग क में प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए)।

भाग ख में प्रत्येक प्रश्न के 12 अंक हैं (प्रत्येक के उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए)।

भाग क

1) बाह्यताओं को परिभाषित कीजिए। बाह्यताओं के प्रकारों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए। कराधान और संपत्ति अधिकारों के साधनों के माध्यम से नकारात्मक बाह्यताओं का आंतरीकरणबाह्यताओं का समाधान कैसे हो सकता है, इसकी व्याख्या कीजिए। (4+6+10 = 20)

2) अ) कार्यान्वयन सिद्धांत और द्यूत सिद्धांत से संबंधित क्रियाविधिअभिकल्प के कार्यक्षेत्र की व्याख्या कीजिए।

   ब) यांत्रिक अभिकल्प (क्रियाविधिअभिकल्प) के कुछ अनुप्रयोगों को उनकी सहवर्ती समस्याओं की पहचान के साथ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (10+10=20)

भाग ख

3) समझाइए कि कैसे पुनर्वितरण द्वारा, उपयोगिता संभावना सीमा पर विचार करके सामाजिक रूप से अधिक वांछित क्षेम स्तर प्राप्त किया जा सकता है?

4) स्थिति को सही करने के लिए सरकार के समक्ष खुले नीतिगत विकल्पों को बताते हुए रेखांकित करें कि कैसे अपूर्ण प्रतिस्पर्धा क्षेम (कल्याण) हानि की ओर ले जाती है?

5) नॉज़िक के 'वैधानिक अधिकार सिद्धांत' और 'वितरण में न्याय ' के सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

6) भारत की सार्वजनिक ऋण स्थिति की विवेचना कीजिए। क्या सरकारी बजट में घाटे के वित्तपोषण का कोई तरीका है? कैसे?

7) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (3 X 4 = 12)

   i) बहु-भाग शुल्क दर

   ii) सार्वजनिक वस्तुएं

   iii) माध्यिका मतदाता प्रमेय

एमईसी-007: अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त
सत्रीय कार्य
(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने जनवरी 2023 या इससे पूर्व के सत्र में प्रवेश लिया था।)

पाठ्यक्रम कोड: एमईसी-007
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी-007 / एएसटी-1/2023-2024
कुल अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। जबकि भाग क में प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए), भाग ख में प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है (प्रत्येक का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए)। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होती है।

भाग क

1) रिकार्डो के तुलनात्मक लाभ के सिद्धांत की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। यह एडमस्मिथ के निरपेक्ष लाभ के सिद्धांत से किस प्रकार भिन्न है?
2) व्यापार शर्तों की विभिन्न अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए। प्रेबिश द्वारा समझाए गए व्यापार शर्तों के व्यवहार की आलोचनात्मक जांच कीजिए।

भाग ख

3) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बहुपक्षीय ढाँचे की व्याख्या कीजिए। इसकी प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
4) आर्थिक एकीकरण के विभिन्न रूप क्या हैं? व्यापार विपथन, व्यापार सृजन से किस प्रकार भिन्न है? स्पष्ट कीजिए।
5) अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली के क्रमिक विकास का वर्णन कीजिए। अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय प्रणालियों में रुझानों की जांच कीजिए।
6) व्यापार संरक्षण के विभिन्न साधनों की चर्चा कीजिए। कोटा और टैरिफ (प्रशुल्क) के बीच अंतर कीजिए।
7) स्थिर (नियत) और लचीली (नम्य) विनिमय दरों के सापेक्ष गुणों और दोषों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

एम.ई.सी.– 107 : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.सी. -107
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी. - 107
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023–2024
पूर्णांक : 100

भाग – I

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. क) गैट (GATT) से विश्व व्यापार संगठन में भारत के परिवर्तन पर चर्चा करें। कृषि के संबंध में विश्व व्यापार संगठन में भारत का क्या योगदान है?

   ख) सतत विकास को प्राप्त करने और पर्यावरण की रक्षा करने में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका का वर्णन करें।

2. क) देश A एक बड़ा देश है जबकि देश B एक छोटा देश है। दोनों देशों ने अपने आयात पर शुल्क लगाने का फैसला किया। इस निर्णय का उनके उत्पादकों, आपूर्तिकर्ताओं और अर्थव्यवस्था पर समग्र रूप से क्या प्रभाव पड़ेगा? आरेखों की सहायता से समझाइए।

   ख) क्या दो राष्ट्रों के बीच व्यापार तब भी संभव है, जब उनके पास समान उतपाद संभावना वक्र आरेख की सहायता से समझाइए।

3. देश अंतर–उद्योग व्यापार में क्यों संलग्न होते हैं? क्षैतिज और लंबवत विभेदित वस्तुओं में अंतर उद्योग व्यापार की व्याख्या करें।

4. 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के कारणों की व्याख्या कीजिए। इसके व्यापक आर्थिक प्रभाव क्या थे? 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट से निपटने के लिए अमेरिकी सरकार द्वारा शुरू की गई नीतिगत प्रतिक्रियाएँ क्या थीं?

5. क) राइबज़िन्सकी (Rybczynski) प्रमेय क्या अभिगृहित करता है? उन महत्त्वपूर्ण कारकों को इंगित करें जिनका राइबज़िन्सकी प्रमेय के संदर्भ में विश्लेषण किया जा सकता है।

   ख) हेक्सचर–ओहलिन (Heckscher-Ohlin) सिद्धांत की पाँच प्रमुख मान्यताओं को इंगित करें।

6. भुगतान संतुलन में लगातार घाटा अवांछनीय क्यों है? किसी देश के BoP में सुधार लाने के लिए कौन से नीतिगत उपाय उपलब्ध हैं?

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें:'

क) बाहरी उन्मुख विकास रणनीतियाँ

ख) पर्यावरणीय कुज़्नेत्स (Kuznets) वक्र परिकल्पना

ग) असंभव ट्रिनिटी

घ) स्थिर बनाम परिवर्तनशील विनिमय दर

एम.ई.सी-008: सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण का अर्थशास्त्र

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने जनवरी 2017 या इससे पूर्व के सत्र में प्रवेश लिया था।)

सत्रीय कार्य (टीएमए)
पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी-008
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी-008/एएसटी/2023-24
अधिकतम अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दें। जबकि भाग क में प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें)भाग ख में प्रत्येक के लिए 12 अंक हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दें)। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होती है।

भाग क

1) बाजार की विफलता के संदर्भ में, उस स्थिति पर चर्चा कीजिए जहां इसका परिणाम 'प्रतिस्पर्धी परिणामों की गैर-इष्टतमता' में होता है।
2) शुद्ध लाभों के वर्तमान मूल्य को अधिकतम करने के लिए फॉस्टमैनमॉडल की चर्चा कीजिए।

भाग ख

3) राष्ट्रीय आय लेखाकरण की पारंपरिक प्रणाली की कमियों की व्याख्या कीजिए।
4) क्या गरीबी का परिणाम 'सामाजिक संघर्ष' हो सकता है? व्याख्या कीजिए।
5) लागत-लाभ दृष्टिकोण की समालोचना प्रस्तुत कीजिए।
6) स्वास्थ्य सेवाओं की लागत पर तकनीकीपरिवर्तन के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।
7) लेन-देन लागत सिद्धांत पर एक टिप्पणी लिखिए।

एम.ई.सी-108: सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण का अर्थशास्त्र
सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी-108
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी-108/एएसटी/2023-24
अधिकतम अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दें। जबकि भाग क में प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें) जबकि भाग ख में प्रत्येक के लिए 12 अंक हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दें)। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होती है।

भाग क

1) भौतिक संतुलन प्रतिमान की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

2) दक्षता और समता के लिए स्वास्थ्य वित्तपोषण के वैकल्पिक स्रोतों के निहितार्थों पर चर्चा कीजिए।

भाग ख

3) शैक्षिक सेवाओं की माँग के स्वरुप की व्याख्या कीजिए।

4) स्वास्थ्य सेवाओं के संदर्भ में 'आपूर्तिकर्ता प्रेरित मांग' का क्या अर्थ है? चर्चा कीजिए।

5) निर्वातनीय संसाधनों के अभीष्टतापूर्णनिर्वातन के लिए होटेलिंग स्थिति की व्याख्या कीजिए।

6) 'हरित सूचकों के विकास' पर एक टिप्पणी लिखिए।

7) पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन लेखांकन की रूपरेखा (ईएनआरएपी) क्या है? पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन लेखांकन की रूपरेखा (ईएनआरएपी), समीकृत आर्थिक एवं पर्यावरण लेखांकन (एसईईए) से किस प्रकार भिन्न है?

एम.ई.सी.–109 : अर्थशास्त्र में अनुसंधान विधियाँ
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रमकोडः एम.ई.सी.–109
सत्रीय कार्यकोड : एम.ई.सी.-109/ए.एस.टी./2023-24
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। खंड–क से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है।इस खंड से प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

खंड– क

1. ''आगमनात्मक कार्यनीति आँकड़ों के संकलन से प्रारंभ होती है जिनसे सामान्यीकरण किया जाता है''– इस कथन के आलोक में एक शोध प्रस्ताव तैयार करें जिसमें शोध प्रक्रिया में सम्मिलित विभिन्न कदमों का उल्लेख हो।

2. संगुच्छ प्रतिचयन तथा बहुस्तरीय प्रतिचयन में अंतर करें। किसी दिये गये जनपद में ग्रामीण परिवारों के बीच कुपोषण की स्थिति ज्ञात करने के लिए आप बहुस्तरीय प्रतिचयन विधि का प्रयोग कर किस प्रकार आँकड़े एकत्रित करेंगे? उदाहरण सहित समझाइये।

खंड– ख

3. मान लीजिए कि कुछ वर्षों के दौरान आप गतिशील वाहनों की बिक्री के व्यवहार का अध्ययन करना चाहते हैं। इस हेतु कोई व्यक्ति निम्नलिखित प्रतिमानों का सुझाव देता है–

$$Y_t = B_0 + B_1 t$$
$$Y_t = à_0 + à_1 t + à_2 t^2$$

जहाँ कि $Y_t = t$ समय परवाहनों की बिक्री तथा t =समय।प्रथम मॉडल यह व्यक्त करता है कि वाहनों की बिक्री समय का रैखिक फलन है जबकि दूसरा मॉडल यह बताता है कि वाहनों की बिक्री समय का वर्गीय फलन है।

इन दोनों मॉडलों की विशेषताओं की चर्चा करें।

क) आप यह कैसे तय करेंगे कि इन दोनों मॉडलों में कौन-सा मॉडल अधिक उपयुक्त होगा?

ख) कौन-सी परिस्थिति में वर्गीय मॉडल अधिक उपयुक्त होगा?

4. गत बीस वर्षों के दौरान किसी वाहन वाली कम्पनी के वाहनों की बिक्री के आँकड़े एकत्रित करें और इस बात का परीक्षण करें कि कौन-सा मॉडल (रैखिक अथवा वर्गीय) उपयुक्त बैठता है?

5. प्रामाणिक सहसंबंध विश्लेषण क्या है? बहुचर प्रतीपगमन विश्लेषण तथा प्रामाणिक सहसंबंध विश्लेषण के बीच समानताएँ एवं अंतर बताएं।

6. क्रियात्मक शोध क्या है? परंपरागत शोध की तुलना में क्रियात्मक शोध की कार्यनीति के क्या लाभ होते हैं?

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखें :

   i) परंपरागत शोध तथा संरचनात्मक समीकरण प्रतिमान रचना

   ii) आदा-प्रदा (input-output) तालिका

   iii) समंकों का स्रजन (Data generation)

   iv) रूपावली (Paradigm)

एम.ई.सी.ई.–001: अर्थमितिविधियाँ
(सत्रीय कार्य)

पाठयक्रम कोड : एमईसीई–001
सत्रीय कार्य कोड :एमईसीई–001/2023–24
अधिकतम अंकः 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग क का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। भाग ख का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

भाग क

1. निम्नलिखित आंकड़ों पर विचार कीजिएः

Y	X
14	5
16	6
21	7
23	8
28	9
24	11
29	12
28	13
32	14
35	15

अ) प्रतीपगमन प्रतिमान : $Y_i = \alpha + \beta X_i + u_i$ का अनुमान लगाएं, जहां u शास्त्रीय मान्यताओं पर आधारित एक यादृच्छिक (प्रसंभाव्य) त्रुटि पद है।
ब) Y में प्रतिशत प्रसरण ज्ञात करें जिसकी व्याख्या X द्वारा की गयी है।

2. समझाइये कि प्रतीपगमन प्रतिमान में एक त्रुटि पद क्यों जोड़ा जाता है? त्रुटि पद के लिए क्या मान्यताएं बनाई गई हैं? ऐसी मान्याताओं के निहितार्थ हैं? यदि इन मान्यताओं का उल्लंघन किया जाता है, प्रतीपगमन प्रतिमान के प्राचलों के आकलकों का क्या होगा?

भाग ख

3. स्वसहसंबंध का क्या अर्थ है? विषमविसारिता की समस्या के उपचारात्मक उपायों में से एक की व्याख्या कीजिए।

4. युगपत समीकरण प्रणाली में अभिनिर्धारण समस्या का क्या अर्थ है? आप कैसे तय करते हैं कि समीकरण अभिनिर्धारित है या नहीं?

5. आभासी चर प्रतिमान का क्या अर्थ है? वर्णन कीजिए कि लॉज़िट प्रतिमान में आभासी चर का उपयोग कैसे किया जाता है? आप लॉज़िट प्रतिमान के प्राचलों की व्याख्या कैसे करते हैं?

6. वर्णन कीजिए कि एक वितरित पश्चता प्रतिमान कैसे निर्दिष्ट और अनुमानित किया जाता है?

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   i) सर्वोत्तम रेखीय अनभिनत आगण्क
   ii) युगपत समीकरण प्रणाली का लघु स्वरूप

एम.ई.सी.ई-003: बीमांकिक/ जीवनांकिक अर्थशास्त्र: सिद्धांत एवं व्यवहार

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने जनवरी 2022 या इससे पूर्व के सत्र में प्रवेश लिया था।)

सत्रीय कार्य (टीएमए)
पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी.ई-003
सत्रीय कार्य कोड: एमईसीई-003/एएसटी/2023-24
अधिकतम अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दें। जबकि भाग क में प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें) जबकि भाग ख में प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दें)। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होती है।

भाग (क)

1) यूनिट-लिंक्ड (ईकाई सम्बन्ध) बीमा अनुबंधों के मामले में कीमत निर्धारण कैसे किया जाता है? (i) बिना गारंटी और (ii) गारंटीकृत लाभ की स्थितियों के विशेष संदर्भ में व्याख्या कीजिए।
2) प्रसंभाव्य दावा सुरक्षित निधि का क्या अर्थ है? (i) चेन-लैडर (श्रृंखला सोपान) मॉडल और (ii) ओवर-डिस्पर्स्ड (अत्यधिक फैले हुए) पाइसोमॉडल के संदर्भ में इस पर चर्चा करें।

भाग (ख)

3) औसत विवर्तन प्रतिमान क्या हैं? यह औसत विवर्तन उछाल प्रतिमान से कैसे भिन्न है?
4) 'सीमोपरि हानि (हानि रोक) पुनर्बीमा' और 'अतिहानि (हानि आधिक्य) पुनर्बीमा' के बीच अंतर करें।
5) उदाहरण के साथ 'प्रतिप्राप्तिवक्रों (यील्डकर्व्स)' पर एक टिप्पणी लिखिए।
6) अधिकतम आकर्षण परिसर (एमडीए) की अवधारणा पर उदाहरणों के साथ चर्चा करें।
7) 'गैर-विनाशक हानियां' क्या हैं? इस तरह की हानि के संबंध में 'सकल हानि राशि' कैसे निर्धारित की जाती है?

एम.ई.सी.ई-103: बीमांकिक/ जीवनांकिकअर्थशास्त्र: सिद्धांत एवं व्यवहार

सत्रीय कार्य (टीएमए)
पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी.ई-103
सत्रीय कार्य कोड: एमईसीई-103/एएसटी/2023-24
अधिकतम अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दें। जबकि भाग क में प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दिया जाए) भाग ख में प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक हैं (प्रत्येक का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जाए)। संख्यात्मक प्रश्नों के मामले में शब्द सीमा लागू नहीं होती है।

भाग क

1) 'ज्यामितीयब्राउनीय गतिशीलता' के औसत विवर्तन प्रतिमान दृष्टिकोण पर इसके अनुप्रयोगों के साथ चर्चा कीजिए।
2) प्रतिष्ठित विश्वस्तता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

भाग ख

3) मार्टिंगेल्स की संकल्पना पर उदाहरणों के साथ एक टिप्पणी लिखिए।
4) दर्शाइए कि 'रैखिक संचयन फलन' सभी वास्तविक संख्याओं के लिए वैध है।
5) 'निश्चित वार्षिकी' और 'अनुषांगिक वार्षिकी' शब्दों के बीच अंतर कीजिए।
6) मृत्यु के मापन में 'संभाव्यता घनता फलन' के महत्व की व्याख्या कीजिए।
7) विभिन्न मामलों के लिए उपयुक्त सूत्रपदों सहित 'हानि फलन' की अवधारणा को परिभाषित कीजिए।

एमईसीई-004: वित्तीय संस्थाएं और बाजार
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: एमईसीई-004
सत्रीय कार्य कोड: एमईसीई-004 / एएसटी-1/2023-2024
कुल अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। जबकि भाग क में प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है, भाग ख में प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का है।

भाग क

1) एक आधुनिक अर्थव्यवस्था में वित्तीय प्रणाली की प्रकृति का वर्णन महत्वपूर्ण प्रकार की संघटक संस्थाओं, बाजारों और प्रपत्रों का विवरण देते हुए कीजिए। वित्तीय बाजारों में निधियों के प्रवाह की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

2) दक्ष पोर्टफोलियो चयन के मार्कोविट्ज़ सिद्धांत की चर्चा कीजिए। पूंजी परिसंपत्ति कीमत निर्धारण (सीएपीएम) सिद्धांत इस सिद्धांत पर कैसे निर्मित होता है?

भाग ख

3) अंतरपणन कीमत निर्धारण सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

4) द्वितीयक बाजारों में निक्षेपागार प्रणालियों की आवश्यकता और भूमिका की व्याख्या कीजिए। अभिरक्षण सम्बन्धी सेवाओं की अवधारणा को समझाइए।

5) मौद्रिक आधार और मौद्रिक समग्र के बीच संबंध को स्पष्ट करते हुए, केंद्रीय बैंकिंग का एक सैद्धांतिक मॉडल दीजिए। केंद्रीय बैंकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मौद्रिक नीति के उपस्कर क्या हैं?

6) स्थिर विनिमय दरों के अंतर्गत मौद्रिक नीति के प्रभाव की तुलना लचीली (परिवर्तनशील) विनिमय दरों के अंतर्गत होने वाले प्रभावों से कीजिए।

7) एक फर्म के लिए लीवरेज (उद्यम संयोजन) की अवधारणा पर चर्चा कीजिए। उपयोग किए गए महत्वपूर्ण वित्तीय और लीवरेज अनुपातों पर चर्चा कीजिए। मर्टन-मिलरप्रमेय की व्याख्या कीजिए।

एम.डब्लू.जी. 011: अर्थव्यवस्था में महिलाएँ
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.डब्लू.जी. 011
सत्रीय कार्य कोड : एम.डब्लू.जी. 011/
ए.एस.टी./ 2023–24
पूर्णांक : 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड (क)

नोटः दोनों प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 40 अंक का है। कृपया उत्तर अपने शब्दों में लिखें। साहित्यिक कॉपी (Plagiarism) किये हुए सत्रीय कार्य स्वीकृत नहीं होंगे। वीडियो देखें या नीचे चिपकाए हुए चित्रों को देखें और सवाल में पूछे मुद्दे पर ध्यान दें। पाठ्यक्रम सामग्री में समान मुद्दों को पढ़े और अपने आस–पास घट रही घटनाओं के उदाहरण देकर इन मुद्दों को समझाएं।

1. दिए गए लिंक पर क्लिक करके विडियों देखें:
https://www.youtube.com/watch?v=gxsyDyyk_WI (महिलाएं, गृहकार्य, और अदृश्य श्रम की कीमत)

वीडियों में उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करें और अपने पाठ्यक्रम में दी हुई सैद्धांतिक समझ से जोड़े।

2. निम्न तस्वीरों को देखें:

इन चित्रों का विश्लेषण करके ''महिलाएँ और कार्य'' पर चर्चा करें। महिलाओं को प्रभावित करने वाली व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन स्थितियों के उदाहरण देते हुए अपने तर्क प्रस्तुत करें।

खण्ड – ख

निम्नलिखित प्रश्नों को लगभग 1000 शब्दों में उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

क) राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय संदर्भ में लिंग, प्रवसन और श्रम के बीच अंतर–संबंधों का वर्णन कीजिए।

ख) महिलाओं के रोज़गार में 'क्षेत्रीयकरण' (Sectorization) की व्याख्या करें। अपने उत्तर के समर्थन मं उपयुक्त उदाहरण दीजिए।

ग) वैश्वीकरण द्वारा किस प्रकार ''श्रम का नारीकरण'' विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण (Global South) में किया गया है? व्याख्या करें।

एम.ई.डी.एस.ई.- 046: विकासः मुद्दे और परिप्रेक्ष्य
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी.एस.ई.- 046
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.डी.एस.ई.- 046/
ए.एस.टी./ 2023–24
पूर्णांक : 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. मानव विकास सूचकांक क्या है? मानव विकास को निर्धारित करने वाले कारकों का वर्णन करें।

2. असमानता का माप क्या है? असमानता के कारण और प्रभावों का वर्णन कीजिए।

3. विकास संबंधी असमानताओं के कारण क्या हैं और विकास संबंधी असमानताओं को दूर करने के लिए क्या उपाय किये जाने चाहिए?

4. शिक्षा विकास के सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन करें। शिक्षा विकास के विभिन्न मुद्दे एवं चुनौतियाँ क्या है?

5. भारत में औद्योगिक पिछड़ेपन के क्या कारण हैं? विकास में उद्योग की भूमिका का वर्णन कीजिए।